ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 26122271, 26123436, 26123680, 26127545
रेलवे - 5222, 5860
रेलवे - 5850, 5870

छात्रावास - डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669, रेलवे 5896, 5897, 5898

फैक्स : 020-26128677
ई-मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

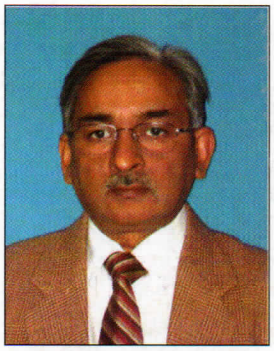
वर्ष - 8 | अंक - 29 | जनवरी-मार्च, 2004

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) हमारे नए निदेशक
2) मुख्य सतर्कता अधिकारियों की कार्यशाला
3) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 82 वीं बैठक
4) आई.पी.डब्ल्यू.ई.(आई.) के अंतर्गत गतिविधियां
5) सदस्य इंजीनियरी का पत्र ज्ञानदीप के नाम
6) भा. रे. इं. से. के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा
7) प्राध्यापक - कंप्यूटर्स का जापान दौरा
8) स्थापना दिवस समारोह
9) राजभाषा प्रयोग - प्रसार के मील-स्तंभ
10) तकनीकी उपलब्धियां
11) संरक्षा संबंधी गतिविधियां
12) बधाई/शुभकामनाएं
13) तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम
14) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
15) विदाई
16) स्वागत
17) आपके पत्र

1 हमारे नए निदेशक -



श्री अशोक कुमार गोयल

आई.आई.टी., दिल्ली से सिविल इंजीनियरी में बी.टेक. तथा संरचनागत इंजीनियरी में एम.टेक. की उपाधि प्राप्त श्री अशोक कुमार गोयल ने दि. 27-09-1975 को पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा में प्रवेश किया तथा लमडिंग एवं अलीपुरद्वार जंक्शन पर भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थी के रूप में सेवा प्रारंभ करने के बाद 8 वर्षों तक सहायक इंजीनियर, रंगिया, कार्यकारी इंजीनियर (निर्माण), बोंगाईगांव तथा उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), सिलचर के रूप में कार्य किया। जून 1983 में आप पश्चिम रेल मुख्यालय, चर्चगेट में उप मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) के रूप में पदस्थ हो गए तथा निर्माण संगठन,

संपादकीय

'ज्ञानदीप' अपने प्रकाशन के सात वर्ष पूर्ण कर चुका है। आठवें वर्ष का यह प्रथम अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें अतीव प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह हमारे प्रिय पाठकों, रचनाकारों तथा सहयोगियों का समर्थन, सहयोग तथा समालोचन है, जिसके कारण आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं।

आइ एस ओ : 9001 प्रमाण पत्र प्राप्त होने के कारण हम अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों तथा उपलब्ध सुविधाओं की सतत समीक्षा करते रहते हैं तथा उन्नति हेतु लगातार प्रयास करते हैं।

हाल ही में हमने अपना स्थापना दिवस मनाया है। इस अवसर पर सभी के प्रयासों से आयोजन में उत्तम व्यवस्थाएं की गई तथा उत्कृष्ट प्रबंधन के कारण समारोह सफल रहा, जिसके कारण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री रवीन्द्र कुमार सिंह ने संस्थान को 1 लाख रुपये का सामूहिक पुरस्कार प्रदान किया है।

आगामी अंक तक विदा।

संरक्षक
अशोक कुमार गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं., पुणे

मुख्य संपादक
सुधांशु शर्मा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक - पुल

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
अरूण चांदोलीकर, सह प्राध्यापक
श्रीमती अरूणाभा ठाकुर, राजभाषा अधीक्षक
आर.जे.पाल, राभास II

प.रे., चर्चगेट में उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), (वी.बी.), प.रे. मुख्यालय में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा प.रे. के मुंबई सेन्ट्रल में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर के रूप में कार्य करने के उपरांत मार्च 1994 में आपकी तैनाती पुनः पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर मुख्य इंजीनियर (निर्माण), मालीगांव के रूप में हो गई। जून 1996 में आप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), मध्य रेल, मुंबई छ.शि.ट. के पद पर आ गए। आपने दक्षिण पूर्व रेलवे के नागपुर मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है। संस्थान में पदस्थापना से पूर्व आप प.रे. मुख्यालय में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक/मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। दि.29-01-2004 को आपने संस्थान के निदेशक का पदभार ग्रहण किया। पुल इंजीनियरी में विशेष अनुभव प्राप्त करने के लिए आप एक वर्ष तक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिनियुक्ति पर रहे। निर्माण कार्य, आमान परिवर्तन परियोजनाएं तथा पुल इंजीनियरी के क्षेत्र में आपको गहन अनुभव प्राप्त है।

संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

2 मुख्य सतर्कता अधिकारियों की कार्यशाला -

संस्थान में दि.8 तथा 9 जनवरी को क्षेत्रीय रेलों तथा उत्पादन ईकाईयों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों/वरिष्ठ उप महाप्रबंधकों की एक दो-दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री एम. एस. सिंगला, सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड ने किया। दि.09 जनवरी को श्री पी. शंकर, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त ने समापन सत्र को संबोधित किया। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय रेलों तथा उत्पादन ईकाईयों के 41 अधिकारियों ने भाग लिया।



(चित्र में बाएं से श्री शिवकुमार, सलाहकार-सतर्कता, रेलवे बोर्ड, संबोधित करते हुए, बैठे हुए श्री आदेश शर्मा, कार्यकारी निदेशक, सतर्कता (इंजीनियरी), रेलवे बोर्ड, श्री पी. शंकर, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त, भारत सरकार, श्री एस. एम. सिंगला, सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड, श्री एस. बी. घोष दस्तीदार, महाप्रबंधक, मध्य रेल तथा श्री बुध प्रकाश, पूर्व निदेशक, इरिसेन)

3 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 82 वीं बैठक -

दिनांक 16-01-2004 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 82 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें दिनांक 31-12-2003 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई।

4 आई.पी.डब्ल्यू.ई.(आई.) के अंतर्गत गतिविधियां -

दि.19 तथा 20 जनवरी को कोलकाता में "आधार तल सुरंगों तथा पुलों सहित रेल पथ के निर्माण तथा पुनर्स्थापन" विषय पर सम्पन्न इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार में संस्थान के संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित पेपर्स प्रस्तुत किए -

i) श्री अजीत पंडित, संकाय अध्यक्ष द्वारा - "चिनाई वाले मेहराब पुलों के लिए निर्धारण तकनीकों की एक समीक्षा।"

ii) श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक - रेल पथ द्वारा - "आधार तल निर्माण/पुनर्स्थापन में डामर कंक्रीट अनुप्रयोग।"

iii) श्री अशोक कुमार यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक तथा श्री अजीत पंडित, संकाय अध्यक्ष द्वारा - "बेहतर कंक्रीट के लिए खनिज अधिमिश्रण।"

5 सदस्य इंजीनियरी का पत्र ज्ञानदीप के नाम -

यह हमारा परम सौभाग्य है कि भारत सरकार रेल मंत्रालय के पदेन सचिव तथा रेलवे बोर्ड के सदस्य इंजीनियरी श्री सूर्यपाल सिंह जैन ने "ज्ञानदीप" पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है :-

* आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित 'ज्ञानदीप' का अक्तूबर-दिसंबर 2003, अंक संख्या 28 प्राप्त हुआ। सूचना पत्र को और अधिक आकर्षक बनाने हेतु मेरे कुछ सुझाव इस प्रकार से हैं :
* राजभाषा के क्षेत्र में उन्नति हेतु संस्था द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण दें।
* तकनीकी उपलब्धियों का संक्षिप्त में विवरण दें।
* पारिवारिक स्तर पर संस्था के अधिकारियों तथा कर्मियों का विवरण, उदाहरण स्वरूप जन्मदिवस, वैवाहिक दिवस पर बधाई आदि दें।
* संरक्षा से जुड़े कार्यों की प्रगति, यदि कोई है, का विवरण दें।

संस्था के सभी अधिकारियों तथा कर्मियों को मेरी ओर से शुभकामनाएं।

टिप्पणी - माननीय सदस्य इंजीनियरी श्री सूर्यपाल सिंह जैन द्वारा दिए गए सुझावों का कार्यान्वयन इस अंक से ही प्रारंभ कर दिया गया है। हम सदस्य इंजीनियरी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं कि आपने 'ज्ञानदीप' पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

6 भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा -

संस्थान में दि. 09 से 20 फरवरी तक वर्ष 200 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा

परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा आयोजित की गई। सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, भा.रे.इं.से. के 33 परिवीक्षार्थियों को तैनाती हेतु क्षेत्रीय रेलों पर भेजा गया। तैनाती परीक्षा के एक भाग के रूप में मौखिक परीक्षा ली गई, जिसमें श्री चेतन बक्षी, मुख्य इंजीनियर (निर्माण), मध्य रेल ने सहयोग प्रदान किया।

7 प्राध्यापक - कंप्यूटर्स का जापान दौरा -

संस्थान के प्राध्यापक - कंप्यूटर्स श्री प्रवीण कुमार ने दि. 1 से 19 मार्च तक ''रेल पथ एवं संरचना'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण में भाग लिया। जापान में आयोजित इस प्रशिक्षण में मलेशिया, थाईलैंड, कोरिया, चीन, मंगोलिया, वियतनाम, भारत आदि देशों के 16 इंजीनियर्स उपस्थित हुए थे।



(चित्र में शीन सिराकावा, जापान के 'प्रशिक्षण रेल पथ' की अनियमितताओं का मापन करते हुए श्री प्रवीण कुमार)

8 स्थापना दिवस समारोह -

संस्थान ने दि. 19 मार्च को अपना 46 वां स्थापना दिवस मनाया। श्री रवीन्द्र कुमार सिंह, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा श्री सूर्यपाल सिंह जैन, सदस्य इंजीनियरी एवं श्री सतीश मोहन सिंगला, सदस्य कार्मिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री एम. बी. बसरूर, सेवानिवृत्त अध्यक्ष रेलवे बोर्ड, डॉ. एम. मणि, सेवानिवृत्त मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त, श्री वाय. जी. पटवर्धन, सेवानिवृत्त मुख्य इंजीनियर, पश्चिम रेलवे, श्री जी. के. गर्ग, महानिदेशक, रेलवे स्टाफ कालेज, वडोदरा तथा श्री विनोद कुमार, महाप्रबंधक, मेट्रो रेल, कोलकाता ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल्स/ ट्राफियां प्रदान की गई। अपरान्ह ''भारतीय रेल पर संरक्षा की अभिवृद्धि'' विषय पर एक सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले वर्ष 1977 बैच के भा.रे.इं.से. के अधिकारियों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत किए। स्थापना दिवस पर उत्तम आयोजन एवं उत्कृष्ट प्रबंधन हेतु अध्यक्ष रेलवे बोर्ड ने संस्थान को 1 लाख रुपये का सामूहिक पुरस्कार घोषित किया, जिसके लिए संस्थान अध्यक्ष रेलवे बोर्ड का आभारी है। समारोह का सचित्र समाचार नगर के प्रमुख हिंदी, मराठी एवं अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ। समारोह का मंच संचालन श्री सुधीर जैन, प्राध्यापक ने अंग्रेजी में तथा श्री विपिन पवार, राजभाषा सहायक, ग्रेड - I ने हिंदी में किया।



(चित्र में बाएं से श्री एस. बी. घोष दस्तीदार, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे, श्री सतीश मोहन सिंगला, सदस्य कार्मिक, श्री रवीन्द्र कुमार सिंह, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री सूर्यपाल सिंह जैन, सदस्य इंजीनियरी तथा श्री अशोक कुमार गोयल, निदेशक, इरिसेन)

9 राजभाषा प्रयोग-प्रसार के मील स्तंभ -

1) श्री विपिन पवार को स्वर्ण पदक प्राप्त -

पुणे स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे में आयोजित दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला में संस्थान के राजभाषा सहायक, ग्रेड -ख I तथा 'ज्ञानदीप' के संपादक श्री विपिन पवार को सर्वोत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।



(चित्र में श्री विपिन पवार को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री तथा 'वनराई' के अध्यक्ष श्री मोहन धारिया जी)

2) संस्थान की हिंदी वेब साइट को भारतीय रेल की सर्वश्रेष्ठ बेबसाइट के रूप में माननीय रेल राज्य मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है।

3) प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी स्वयं शिक्षण के पैकेजों 'लीला प्रबोध' एवं 'लीला प्रवीण' की व्यवस्था की गई।

4) संस्थान के सभी कंप्यूटरों पर हिंदी में काम करने की सुविधा उपलब्ध हैं।

5) वेतन पर्ची को कंप्यूटर पर हिंदी में बनाया गया है।

6) कंप्यूटर नेटवर्क पर 'हिंदी हेल्प' शीर्षक से एक फोल्डर बनाया गया है, जिसमें राजभाषा संबंधी सांविधिक प्रावधानों के अलावा, वार्षिक कार्यक्रम, तकनीकी विषयों का अनुवाद, टैम्पलेट्स आदि महत्वपूर्ण सूचनाएं समाहित है। राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के संबंध में जारी निदेश-अनुदेश भी इस फोल्डर पर उपलब्ध रहते हैं। यह फोल्डर संस्थान के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ है।

7) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे की ओर से संस्थान को राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में सराहनीय कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

10 तकनीकी उपलब्धियां -

1) संस्थान द्वारा ''स्पीड ऑन कर्व्स'' पर एक यूजर फ्रेन्डली सॉफ्ट्वेयर का निर्माण किया गया।

2) आधुनिक सर्वेक्षण का प्रशिक्षण देने के लिए ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की खरीद की गई है।

3) मात्रात्मक परिकलनों के लिए डिजीटल प्लानीमीटर की खरीद की गई है।

4) पी. क्यू. आर. एस. वर्किंग तथा टी.आर.टी. वर्किंग पर दो शैक्षणिक फिल्मों का निर्माण किया गया।

5) टोटल स्टेशन (ए टी एस-102) पैंटेक्स मेक की खरीद की गई।

6) संस्थान में रेल नेट/इंटरनेट पर पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली प्रारंभ की गई, जिसकी सहायता से कोई भी व्यक्ति कहीं से भी संस्थान में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

7) दो डाटा वीडियो प्रोजेक्टरों के साथ ही सभी कक्षाओं में एल सी डी प्रोजेक्टरों सहित आधुनिकतम अध्यापन सामग्रियों की व्यवस्था की गई है।

8) कंप्यूटर केन्द्र की संरचनागत सुविधा में ए -1 आकार का एक आधुनिकतम प्लॉटर भी शामिल किया गया है, साथ ही ऑटोकैड का नवीनतम संस्करण खरीदा गया है।

9) कंप्यूटर नेटवर्किंग में उन्नत सुविधाएं प्रदान की गई है, तथा इंटरनेट की गति को बढ़ाया गया है।

11 संरक्षा संबंधी गतिविधियां -

1) मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त श्री आर. राजामणि ने एक संरक्षा कार्यशाला में सभी प्रशिक्षु एवं अन्य अधिकारियों को संरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी।

2) संस्थान में चलाए जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों में संरक्षा संबंधी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है, प्रशिक्षु अधिकारियों को कार्य-क्षेत्रों का अवलोकन भी कराया जाता है।

3) प्रतिवर्ष ''अवपथन जांच पड़ताल'' पर विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में इस बार पूर्व मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त डॉ. एम. मणि ने संरक्षा एवं रेल अवपथन से जुड़े हुए पहलुओं पर चर्चा की।

4) इस वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर संरक्षा पर विशेष सेमिनार का आयोजन भी किया गया।

12 बधाई/शुभकामनाएं -

अधिकारी

जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई -

श्री रमेश पिंजानी, प्राध्यापक - रेल पथ -2 - 13 मई
श्री नवीन चंद्र शारदा, वरिष्ठ प्राध्यापक - कार्य -6 जून

विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई -

श्री प्रवीण कुमार, प्राध्यापक - कंप्यूटर्स -30 अप्रैल
श्री अरुण चांदोलीकर, सह प्राध्यापक -01 मई
श्री अशोक कुमार यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक - पुल/प्रशिक्षण -14 मई
श्री ए. बी. राणा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक -06 मई
श्री अशोक कुमार गोयल, निदेशक - 30 जून

कर्मचारी

जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई -

श्री महेन्द्र मलकप्पा, कंप्यूटर परिचर -04 मई
श्री मिलिंद कांबले -10 मई
श्री चंद्रकांत लिंबाजी, गेस्टेटनर सह जेराक्स मशीन प्रचालक -12 मई
श्री एम. पेची, सहायक रसोईया -13 मई
श्री सुनील पोफले, प्रधान नक्शानवीस - 18 मई
श्रीमती रागिनी नटराजन, वैयक्तिक सहायक -22 मई
श्री संजू धर्मराज कांबले, प्रवर लिपिक -22 मई
श्री सदाशिव भाऊ, खलासी - 25 मई
श्री विश्वनाथ पवार, खलासी - 28 मई
श्री के. पी. धुमाल, वैयक्तिक सहायक - 01 जून
श्रीमती जयंती दंडपाणि, प्रधान लिपिक - 01 जून
श्री शिवाजी परशुराम तावड़े, तकनीशियन - 01 जून
श्री नागेश गवंडी, तकनीशियन - 01 जून
श्री संभाजी यशवंत, मोटर चालक - 01 जून
श्री अंजनैया सिद्धप्पा, वरिष्ठ खलासी - 01 जून
श्री परमेश्वर, खलासी - 01 जून
श्री प्रकाश केरबा गायकवाड़, खलासी - 01 जून
श्री सौदागर विनायक, खलासी - 01 जून
श्री यशवंत विनायक, खलासी - 01 जून
श्री सुधीर जगन्नाथ, खलासी - 01 जून
श्रीमती उमा भगत, खलासी - 01 जून
श्री बाबू भंडारी, खलासी - 01 जून
श्री कालूराम जगताप, अवर लिपिक - 02 जून
श्री किसन भिकाजी, खलासी - 02 जून
श्री धनशेखरन, खलासी - 03 जून
श्री मुर्तिजा बेग, मोटर चालक - 04 जून
श्री रूपेश बबन, खलासी - 04 जून

श्री डी. ए. कांबले, रसोईया - 05 जून
श्री नरेश मोहन चव्हाण, खलासी - 05 जून
श्री बी. जी. घाटे, छात्रावास अधीक्षक -III - 06 जून
श्री वेल मुरगन, खलासी - 08 जून
श्री नंदू बलवंत, खलासी - 09 जून
श्रीमती अरुणाभा ठाकुर, राजभाषा अधीक्षक - 10 जून
श्री विट्ठल कालूराम, खलासी - 10 जून
श्री शंकर बापू पुरी, मोटर चालक - 10 जून
श्री जगदीश रामू, सफाईवाला - 14 जून
श्री गणेश श्रीनिवास, वैयक्तिक सहायक - 15 जून
श्री गोविंदराजन रंगास्वामी, खलासी - 18 जून
श्री केरबा गायकवाड़, खलासी - 19 जून
श्री विलास काशीनाथ, खलासी - 21 जून
श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल - 14 जुलाई
श्री राजू ताराचंद, वरिष्ठ सफाईवाला - 23 जुलाई

विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई -

श्री ठाकुर अंबालाल, सफाईवाला - 02 मई
श्री वि. ना. सोहोनी, तकनीकी सहायक (पुल) - 05 मई
श्री अ. द. सातपुते, मास्टर क्राफ्ट्समैन - 07 मई
श्री महेन्द्र मलकप्पा, कंप्यूटर परिचर - 11 मई
श्री बाबू भंडारी, खलासी - 11 मई
श्री डी. ए. कांबले, रसोईया - 14 मई
श्री प्रकाश केरबा गायकवाड़, खलासी - 15 मई
श्री जनार्दन अर्जुन तावड़े, खलासी - 15 मई
श्री बी. जी. घाटे, छात्रावास अधीक्षक -III - 16 मई
श्री केरबा गायकवाड़, खलासी - 16 मई
श्री सी.एच. बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स) -22 मई
श्री कालीदास शीतलप्रसाद, प्रवर टंकक - 22 मई
श्री पंढरी मलकप्पा, अवर लिपिक - 22 मई
श्री जे. एम. पाटेकरी, मुख्य तकनीकी सहायक - 26 मई
श्री प्रदीप ब. तावड़े, तकनीशियन - 04 जून
श्री जे. एस. शेट्टी, कार्यालय अधीक्षक (स्थापना) - 13 जून
श्री अनिल पद्मने, तकनीशियन - 20 जून
श्री गौतम श्रीपती हरिभक्त, प्रवर लिपिक - 25 जून
श्री परमेश्वर, खलासी - 07 जुलाई
श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल - 11 जुलाई

13 तिमाही में संपन्न/जारी पाठ्यक्रम -

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
	से	तक			
314	03-11-03	16-01-04	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक - रेल पथ -2	18
326	01-12-03	16-01-04	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	वरिष्ठ प्राध्यापक-कार्य	13
491	08-01-04	09-01-04	मुख्य सतर्कता अधिकारियों/ वरिष्ठ उप महाप्रबंधकों की कार्यशाला	वरिष्ठ प्राध्यापक-कार्य	41
451	27-01-04	06-02-04	पूर्व प्रबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक रेल पथ - 3	13
406	09-02-04	20-02-04	वर्ष 2001 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा	वरिष्ठ प्राध्यापक पुल/ प्रशिक्षण	33
411	03-02-04	16-04-04	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक रेल पथ - 2	16
421	03-02-04	27-02-04	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	वरिष्ठ प्राध्यापक कार्य	14
471	23-02-04	05-03-04	क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों के सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षकों के लिए "प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण" पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक-पुल	12
422	15-03-04	30-04-04	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	वरिष्ठ प्राध्यापक रेल पथ	14
431	08-03-04	12-03-04	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक रेल पथ	12
452	01-03-04	12-03-04	परियोजना प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक कार्य	10
492	18-03-04	19-03-04	वर्ष 1977 परीक्षा बैच के भा.रे.इं.से.के अधिकारियों के लिए स्थापना दिवस सेमिनार	संकाय अध्यक्ष	11

14 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम -

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियों की कोटि
	से	तक		
403	24-05-04	04-06-04	वर्ष 2001 परीक्षा बैच (समूह -2) के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा	भा.रे.इं.से. (परि.)
423	07-06-04	23-07-04	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	चयन श्रेणी, अ.प्र.श्रे.
474	07-06-04	11-06-04	सामग्रियों के निरीक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., अ.वे.मा.
404	14-06-04	02-07-04	वर्ष 2002 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	भा.रे.इं.से.(परि.)
462	28-06-04	09-07-04	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	गैमन इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर्स
405	05-07-04	27-08-04	वर्ष 2002 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों का चरण 2 पाठ्यक्रम	भा.रे.इं.से. (परि.)
494	20-07-04	21-07-04	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार	मुख्य सामान्य इंजीनियर्स
424	26-07-04	20-08-04	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	चयन श्रेणी, अ.प्र.श्रे.
463	02-08-04	13-08-04	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	इरकॉन के इंजीनियर्स

15 विदाई -

❋ 1969 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री बुध प्रकाश ने दि. 29-01-2001 को संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक - इंजीनियरी का पदभार ग्रहण किया तथा दि. 04-05-2001 से निदेशक का पदभार संभाल लिया। आप दि.



श्री बुध प्रकाश

14-01-2004 को संस्थान से स्थानांतरित होकर वर्तमान में अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरी), रेलवे बोर्ड के रूप में कार्यरत हैं।



श्री राजेश कुमार जायसवाल

* श्री राजेश कुमार जायसवाल ने दि. 19-06-2000 को संस्थान के सह प्राध्यापक का पदभार ग्रहण किया। आप दि. 05-01-2004 को संस्थान से स्थानांतरित होकर वर्तमान में कार्य प्रबंधक, इंजीनियरी कारखाना, पश्चिम रेलवे, साबरमती के रूप में कार्यरत हैं।

संस्थान उपर्युक्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

16 स्वागत -

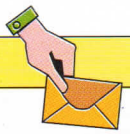


श्री अरुण चांदोलीकर

श्री अरुण चांदोलीकर ने दि. 23-10-1972 को पश्चिम रेलवे, मुंबई (अंधेरी) में रेपनि (अनु.) के रूप में रेल सेवा में प्रवेश किया। 14 वर्षों तक प.रे. के राजधानी मार्ग (दाहोद-गोधरा) का अनुरक्षण कार्य करने के पश्चात आपकी नियुक्ति क्षेप्रके, उदयपुर में हो गई । दि. 26-07-1996 को समूह 'ख' सेवा में चयन होने के पश्चात आपने दि. 01-07-1997 को संस्थान के सहायक इंजीनियर का कार्यभार संभाला। आपने दि. 05-01-2004 से संस्थान के सह प्राध्यापक (वरिष्ठ वेतनमान) का पदभार ग्रहण कर लिया है।

संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता हैं।

18 आपके पत्र



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे की त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' (अक्टूबर-दिसम्बर-2003) अंक 28 की प्रति संस्थान को प्राप्त हुई है।

यह सूचना पत्र का अंक अपनी समस्त विशेषताओं से युक्त है। इस पत्र के माध्यम से भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे की राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार संबंधित गतिविधियों के साथ संस्थान में रेल पथ सेमिनार, तिमाही में आयोजित किए गए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सम्यक जानकारी मिलती है। इस सूचना पत्र के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग परिलक्षित होता है। संपादक मंडल के सभी पदाधिकारियों के प्रयास सार्थक एवं सफल हुए हैं। आशा है सूचना पत्र का आगामी अंक भी इसी प्रकार रोचक व ज्ञानवर्धक सूचनाओं से परिपूर्ण होगा।

जे. पी. शर्मा,
निबंधक, वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान,
विद्यापीठ मार्ग, पुणे.

आपकी ओर से भेजी गई त्रैमासिक पत्रिका ''ज्ञानदीप'' प्राप्त। पत्रिका आकार की दृष्टि से छोटी होती हुई भी, काफी सामग्री से युक्त है। यह देखकर प्रसन्नता होती है कि संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन की दृष्टि से आप लोग नयी-नयी योजना बना रहे हैं। अपनी सीमाओं के बावजूद अपना प्रयास जारी रखा है। मैं एक बार आपके संस्थान की गतिविधियों को देखना चाहूंगा। बस, नए संवत्सर के अवसर पर शुभकामनाओं के साथ।

प्रो. टी. आर. भट्ट
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग, कर्नाटक यूनिवर्सिटी,
धारवाड़ (कर्नाटक)

आपके द्वारा प्रेषित भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान पुणे का त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर,2003) सूचना पत्र ''ज्ञानदीप'' प्राप्त हुआ, धन्यवाद। ''ज्ञानदीप'' आपके संस्थान की गतिविधियों का दर्पण है। कृपया, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों आदि के बारे में यह भी सूचना दें कि इनमें से कितने पाठ्यक्रम द्विभाषी हैं तथा ये प्रशिक्षण किस माध्यम से दिए गए।

संपादक मंडल को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

दिनेश कुमार पाण्डेय
अवर सचिव (अनुसंधान)
संसदीय राजभाषा समिति
नई दिल्ली

''ज्ञानदीप'' का अंक प्राप्त हुआ। इसके पहले के भी अंक मुझे लगातार प्राप्त होते रहे हैं, जिसके लिए मनःपूर्वक धन्यवाद। किसी भी कार्य की शुरूआत करना आसान है, किंतु उसकी निरंतरता बनाए रखना एक कसौटी। पत्रिका को छः वर्ष पूरे हो रहे हैं, इसके लिए आपको और पत्रिका से जुड़े समस्त जनों को बधाई।

पत्रिका को रोचक बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयास नजर आते हैं। भाषा वर्णनात्मक है और चुनी गई सामग्री रेल विभाग के सेवकों के लिए जानकारी के रूप में उपयोगी जान पड़ती है। मुद्रण संबंधी त्रुटियों की ओर थोड़ा अधिक ध्यान देने से पत्रिका में निखार आएगा। 'ज्ञानदीप' के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

नितीन देसाई,
सहायक प्रबंधक (राजभाषा)
भारतीय रिज़र्व बैंक, राजभाषा विभाग,
गारमेंट हाउस, डॉ. एनी बेसंट रोड,
वरली, मुंबई - 400 018

सुधांशु शर्मा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स **एम आर एंड कंपनी** 1552, चिमणबाग, सदाशिव पेठ, पुणे 411 030 फोन 2433 0449 द्वारा मुद्रित। (1000 प्रतियां)